विद्या भवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा- 5

तिथि-27-06-2020

विषय-संस्कृत

सुप्रभात बच्चों ,

आज संस्कृत व्याकरण में पाठ-षष्ठ 'धातु- रूप प्रकरण' के बारे में समझेंगे।

धातु-

संस्कृत भाषा का धातु शब्द हिंदी की क्रिया शब्द का सामानर्थक(समान) है।

क्रिया(धातु)

किसी काम का करना या होना ,क्रिया कहलाता हैं।

जैसे- पढ़ना, लिखना, दौड़ना इत्यादि।

शब्दार्थ:-

पठ्= पढ़ना

दा(यच्छ्)=देना

हस्=हंसना

नी=ले जाना

क्रीड्=खेलना

नृत्=नाचना

धाव्=दौड़ना **भू=होना**

खाद्=ख़ाना **बि+भी=डरना**

तृ= तैरना **क्षिप्=फैंकना**

लिख्=लिखना। **चुर्= चुराना**

पत्=गिरना **त्यज्=त्यागना**

<u>लकार</u>

वाक्य में धातुओं का प्रयोग करने के लिए उनमें कुछ प्रत्यय जोड़े जाते हैं। ये प्रत्यय काल,वचन तथा पुरुष के अनुसार लगाए जाते हैं।

वैसे तो संस्कृत व्याकरण में 10 लगा है परंतु पाठ्यक्रम में केवल 5 ही लकार हैं-

1. लट् लकार - वर्तमान काल के लिए
2. लृट लकार - भविष्य काल के लिए
3. लङ् लकार - भूतकाल के लिए
4. लोट् लकार - आज्ञा या प्रार्थना के अर्थ में
5. विधि लिङ्ग - चाहिए या योगिता के अर्थ में

<u>1.</u> संस्कृते लिखत:-

खेलना

गिरना

तैरना

फेंकना

चुराना

ले जाना

नाचना

होना

डरना

2.रिक्त स्थान को पूर्ति करें:-

लट् लकार - .....

लृट् लकार - .....

लङ्ग लकार - .....

Subject teacher-Sumita Kumari